"बाघ परियोजना के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में बाघों द्वारा मारे गए व्यक्ति"

3251. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में राज्यवार कौन-कौन से वन क्षेत्र बाघ परियोजना के अंतर्गत आरक्षित हैं;

(ख) बाघों द्वारा मारे गए व्यक्तियों के परिवारों को मुआवजे के रूप में कितनी राशि दी जाएगी;

(ग) वर्ष 1993-94 से वर्ष 1995-96 के दौरान प्रतिवर्ष देश में राज्यवार बाघ परियोजना के अंतर्गत आने वाले किन-किन क्षेत्रों में कितने व्यक्ति बाघों द्वारा मारे गए एवं ऐसे प्रत्येक मृतक के परिवार को कितनी-कितनी राशि प्रदान की गई; और

(घ) उक्त अवधि के दौरान राज्यवार कितनी बाघों का अवैध रूप से शिकार किया गया?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन जय नारायण प्रसाद निषाद): (क) विवरण संलग्न है। (नीचे देखिये)

(ख) से (घ) सूचना एकत्र की जा रही है और सदन के पटल पर रख दी जाएगी।

विवरण

क्र० सं०	बाघ रिज़र्व का नाम	राज्य	कुल क्षेत्र (वर्ग कि०मी० में)
1.	बांदीपुर	कर्नाटक	866
2.	कार्बेट	उत्तर प्रदेश	1316
3.	कान्हा	मध्य प्रदेश	1945
4.	मानस	असम	2840
5.	मेलघाट	महाराष्ट्र	1597
6.	पलामू	बिहार	1026
7.	रंथमभौर	राजस्थान	1334
8.	सिमीलिपाल	उड़ीसा	2750
9.	सुन्दरवन	पश्चिम बंगाल	2585
10.	पेरियार	केरल	777
11.	सरिस्का	राजस्थान	866
12.	बुक्सा	पश्चिम बंगाल	759
13.	इन्द्रावती	मध्य प्रदेश	2799
14.	नागार्जुनसागर	आन्ध्र प्रदेश	3568
15.	नामद्राफा	अरुणाचल प्रदेश	1985
16.	दुधवा	उत्तर प्रदेश	811
17.	कालाकड़-मुंदनथुराई	तमिलनाडु	800
18.	वाल्मिकी	बिहार	840
19.	पेंच	मध्य प्रदेश	758
20.	ताडोबा-अंधेरी	महाराष्ट्र	620
21.	बांधवगढ़	मध्य प्रदेश	1162
22.	पन्ना मध्य प्रदेश	मध्य प्रदेश	542
23.	दाम्फा	मिजोरम	500
			33046

भेषजों के मूल्यों में वृद्धि

3252. **श्री वेद प्रकाश पी० गोयल:**
श्री रहसबिहारी बारिक:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि गत छः महीनों के दौरान जीवन रक्षक भेषजों तथा अन्य भेषजों के मूल्यों में तीव्र वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो भेषजों के मूल्य में कितने प्रतिशत वृद्धि हुई है;

(ग) इस वृद्धि के क्या कारण हैं; और

(घ) इस प्रकार के भेषजों के मूल्यों में वृद्धि को रोकने के लिए और उनकी उपलब्धता बनाये रखने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री शीश राम ओला): (क) और (ख) अन्य वस्तुओं की तरह दवाओं के दामों में वृद्धि अपरिहार्य है। फिलहाल समय-समय पर किए गए अध्ययनों से पता चलता है कि हाल में दवाओं की कीमतों में कोई असामान्य वृद्धि नहीं हुई है। फरवरी 96 से जुलाई 96 तक के 6 महीनों के दौरान थोक मूल्य सूचकांक (1981-82=100) औषधों "एवं" दवाओं के मूल्यों में 0.37% की वृद्धि दर्शाता है जबकि अन्य वस्तुओं के मूल्यों में वृद्धि बहुत अधिक (3.73%) थी।